मंथन-8

हिंदी में रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला

हिमालय का कोप

18 फरवरी, 2023 | दोपहर 2.00-3.30

CSE डाउन टू अर्थ

धंसते जोशीमठ से उठे सवाल

- राजू सजवान

जोशीमठ, एक नजर

- आठवीं सदी में आदिशंकराचार्य ने ज्योर्तिमठ पीठ की स्थापना की
- समुद्र तल से 6150 फुट की ऊंचाई पर बसा है जोशीमठ
- मोरेन व लैंडस्लाइड के मलबे पर बसा है, यही वजह है कि यह कमजोर है
- शहर की आबादी लगभग 25 हजार है
- 1962 के भारत-चीन युद्द के बाद यहां सेना की मौजदूगी बढ़ाई गई
- बद्रीनाथ, श्री हेमकुंड साहिब, औली, फूलों की घाटी का प्रवेश द्वार है

आपदा की अनदेखी

- 1976 में भूधंसाव, आयुक्त मिश्रा कमेटी की रिपोर्ट
- 2005-06 में तपोवन-विष्णुगाड़ परियोजना के विरोध में जोशीमठ बचाओ संघर्ष समिति का गठन, सरकार की अनदेखी
- फरवरी 2021 में ग्लेशियर टूटने से ऋषिगंगा में बाढ़ ने क्षति पहुंचाई
- जून 2021 में भारी बारिश से रैणी व आसपास के इलाकों में आपदा
- नवंबर 2021 में जोशीमठ के कुछ घरों में दरारें, लेकिन हाइड्रो प्रोजेक्ट व हेलंग बाइपास का काम चलता रहा

किस हाल में है जोशीमठ

- 865 घरों में दरारें, 243 परिवारों को विस्थापित किया गया
- निर्माण कार्य रोक दिए गए हैं
- डेढ़ माह बाद भी अस्थायी आवास नहीं बनाए जा सके हैं
- लोगों को होटलों, राहत शिविरों में ठहराया जा रहा है
- अनुमान है कि जोशीमठ का लगभग 30 फीसदी हिस्सा रहने लायक नहीं रहेगा
- अब तक पुनर्वास नीति नहीं बनी है

जोशीमठ से उठे सवाल

- सबसे बड़ा सवाल, भूधंसाव क्यों हो रहा है
- 6 एजेंसियां जांच कर रही हैं, लेकिन रिपोर्ट जारी क्यों नहीं की जा रही है
- नवंबर 2021 के बाद से भूधंसाव की घटनाओं की अनदेखी क्यों की गई और किसी को जिम्मेवार क्यों नहीं ठहराया गया
- किसे बचा रही है सरकार
- इन सवालों का जवाब मिलने से केवल जोशीमठ ही नहीं, बल्कि सभी हिमालय राज्यों के लिए विकास का मॉडल तैयार किया जा सकता है

खतरे में हिमालय

- जोशीमठ ही नहीं, उत्तराखंड के लगभग सभी बड़े शहर, 500 से अधिक गांव खतरे की जद में हैं
- भूधंसाव की खबरें कश्मीर से भी आ रही हैं, डाउन टू अर्थ ने पिछले साल हिमाचल प्रदेश में भी इसी तरह का विस्थापन देखा था
- बेहद कमजोर और संवेदनशील है हिमालय, करीब 5 करोड़ साल पहले हिमालय बनना शुरू हुआ, अभी भी हिमालय का निर्माण चल रहा है
- जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग का असर, भारत में से सबसे अधिक

हिम बिना हिमालय

- बढ़ती गर्मी के कारण ग्लेशियर पिघल रहे हैं। एक अध्ययन के मुताबिक औसतन हर साल 8 अरब टन बर्फ पिघल रही है
- उच्च हिमालयी क्षेत्रों में पानी का संकट बढ़ रहा है, वहीं हिमालयी नदियों में बाढ़ की घटनाएं बढ़ रही है
- बाढ़ नदियों के किनारों को कमजोर कर रही है, अलकनंदा उदाहरण है, जिसने जोशीमठ व आसपास के इलाकों को कमजोर किया
- हिमालयी राज्यों में भूस्खलन की घटनाएं बढ़ रही हैं

हिमालय पर बोझ

- आठ देशों मे फैले हिंदुकुश हिमालय क्षेत्र की सबसे बड़ी आबादी भारत में रहती है
- भारत में हिमालयी राज्यों में लगभग 5 करोड़ लोग रहते हैं
- हिमालय में शहरी आबादी की वृद्धि दर 34.6% है, जो देश की औसत वृद्धि (31.8%) से अधिक है
- जिस तरह हिमालयी राज्यों में बेलगाम पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है, अनुमान है कि 2025 में पर्यटकों की संख्या 24 करोड़ पार हो जाएगी
- पहाड़ी जिलों में वन आवरण में 1082 वर्ग किमी की गिरावट आई

विकास की दरारें

- हिमालय से निकलने वाली नदियों पर बांध बनाकर हाइड्रो प्रोजेक्ट्स विनाश की पटकथा लिख रहे हैं

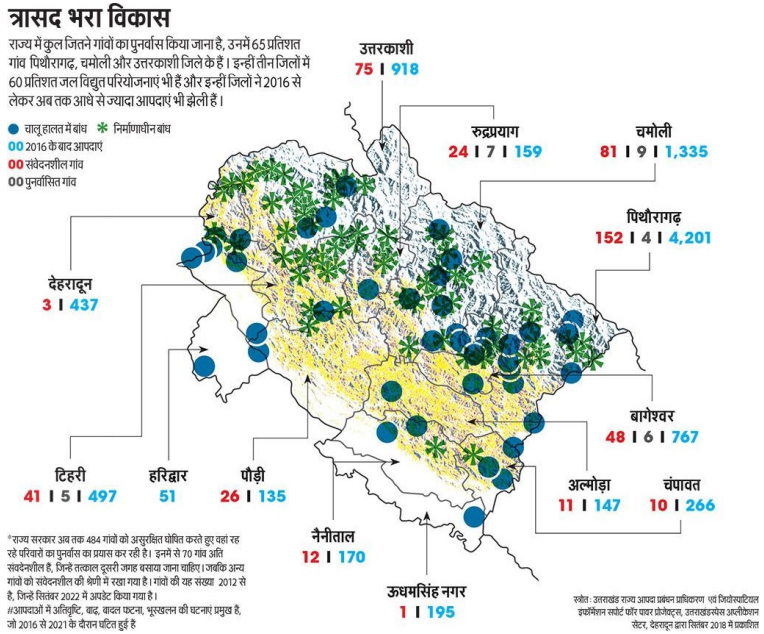

समाधान

- हिमालय के विकास में वैज्ञानिक अध्ययनों की अनदेखी का रास्ता छोड़ना होगा
- हिमालय में बहुमंजिला व कंक्रीट से बनी इमारतों के निर्माण रोकना होगा
- पर्यटकों की संख्या पर अंकुश लगाना होगा
- बड़े बांध व सुरंग आधारित हाइड्रो प्रोजेक्ट्स को रोकना होगा
- सड़कों के चौड़ीकरण के नाम पर पहाड़ों का कटान रोकना होगा
- जंगलों को काटना बंद करना होगा